केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 328 शनिवार 22 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

योग विश्व को भारत की अनुपम देन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति, इंडियन योग एसोसिएशन बस्ती एवं विश्व संवाद परिषद के संयुक्त तत्वावधान में शिवहर्ष किसान पीजी कॉलेज में आयोजित विश्व योग दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि राजमाता आशिमा सिंह ने कहा योग विश्व को भारत की देन है यह हमें प्रकृति से जुड़ने का संदेश देता है। प्रकृति और पशु पक्षियों वृक्षों आदि के नाम से ही आसनों का निर्माण हुआ है। इसे जीवन में धारण करने से ही जीवन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। जे पी सिंह डी एफ ओ बस्ती ने पतंजलि योगपीठ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे जनसामान्य के लिए योग को सुलभ बनाने वाली संस्था बताया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ दीप प्रज्वलन और सुभाष चन्द्र आर्य जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति के मधुर भजन से किया गया। रजनी मिश्रा और राधेश्याम आर्य द्वारा रोग निवारक एवं पर्यावरण शोधन सामग्री से अग्निहोत्र पूरे प्रोटोकाल के दौरान चलता रहा। योग प्रशिक्षक गरुण ध्वज पाण्डेय, सौरभ तुलस्यान मण्डल प्रभारी इंडियन योग एसोसिएशन और बबली शर्मा द्वारा योग प्रोटोकाल का अभ्यास कराया गया और उसकी सावधानियां और लाभ बताए गए। इस अवसर पर आयोजक डा नवीन सिंह राष्ट्रीय महासचिव विश्व संवाद परिषद योग एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ ने बताया कि आमजनमानस को योग, यज्ञ और आयुर्वेद से जोड़ना संस्था का मुख्य उद्देश्य है जिसके लिए कार्यकर्ता निरंतर लगे हुए हैं। ओम प्रकाश आर्य जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान समिति बस्ती ने बताया कि जिले के न्यायालय, स्टेडियम, तहसीलों और ब्लाक स्तर पर पतंजलि के योग शिक्षकों ने योग प्रोटोकाल कराने में स्थानीय प्रशासन और सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं का सहयोग किया है और आगे भी करते रहेंगे। विशिष्ट अतिथि डा रीना पाठक प्राचार्या शिवहर्ष किसान पी जी कॉलेज बस्ती ने कहा कि आदियोगी शिव, महर्षि पतंजलि, घेरण्ड, स्वात्माराम और गुरु गोरक्षनाथ ने पूरी दुनिया को योग से कैवल्य का मार्ग दिखाया है जिससे आज पूरा विश्व एक समान योग प्रोटोकाल का अभ्यास कर रहा है। कर्नल के सी मिश्र ने योग को जीवन का अनिवार्य अंग बताया।

इस अवसर पर अतिथियों को वैदिक साहित्य देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजेश श्रीवास्तव कैलाशी आजीवन सदस्य भारत स्वाभिमान ट्रस्ट यूनिट बस्ती अनुपमा श्रीवास्तव, शोभा पाण्डेय, किरन शुक्ला, सुरेन्द्र शर्मा, कलावती शर्मा, डा शिवेंद्र मोहन पाण्डेय, नंदीश्वर दत्त ओझा, रवि चौबे, संदीप भट्ट, प्रवीण कुमार त्रिपाठी, नवीन त्रिपाठी, डा नवीन श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, समाजसेवी अंकुर वर्मा, सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जी.वी.एम. में योग शिविर का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर पालिका क्षेत्र के जयपुरवा स्थित जी.वी.एम.कान्वेंट स्कूल के प्रांगण में योग शिविर का आयोजन किया गया।

विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह ने बताया कि 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरी दुनिया में मनाया जा रहा है इसका उद्देश्य योग के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना औए योग से होने वाले फायदों के बारे में लोगों को अवगत कराना है कहा कि योग न केवल हमारे तन को बल्कि मन को भी स्वस्थ रखता है इतना ही नही यह गंभीर बीमारियों से भी निजात दिलाने व इनके संक्रमण से कोसों दूर रखता है।

7 विधायकों की सदस्यता रद्द करायेगी सपा

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही राज्यसभा इलेक्शन के लिए हुई वोटिंग में समाजवादी पार्टी के 7 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी थी। इन विधायकों के पालाबदल के चलते भाजपा के एक अतिरिक्त उम्मीदवार को भी जीत मिल गई थी। तब भाजपा ने इसे बड़ी सफलता के तौर पर देखा था। इसके अलावा इन विधायकों को भी लग रहा था कि सत्ताधारी दल के साथ जाकर उन्हें कुछ बड़ा मिल जाएगा। लेकिन अब रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज पांडेय और फूलपुर की पूजा पाल समेत इन सभी विधायकों को भाजपा से कोई भाव नहीं मिल रहा है।

वहीं समाजवादी पार्टी का कहना है कि हम इन विधायकों के खिलाफ विधानसभा स्पीकर से शिकायत करेंगे और उनकी सदस्यता रद्द कराएंगे। अब इन विधायकों की स्थिति यह हो गई कि भाजपा के पास फायदे के लिए गए थे और उलटा सदस्यता खोकर नुकसान ही उठाना पड़ रहा है।

यदि इन विधायकों की सदस्यता गई तो यह बड़ा नुकसान होगा क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव में अभी पूरे तीन साल का वक्त बाकी है। इसके अलावा लोकसभा चुनाव में भी इन लोगों को टिकट नहीं मिला।

अब यदि सदस्यता जाती है तो वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं रहेंगे। संकट यह होगा कि यदि भाजपा से इन लोगों को उपचुनाव में टिकट नहीं मिला तो फिर इनके आगे बड़ी समस्या खडी हो जाएगी।

पेपरलीक मामले को लेकर किया प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुये पेपर लीक और धांधली को लेकर कांग्रेस पार्टी ने जिला मुख्यालय पर जोरदार विरोध दर्ज कराया। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी शास्त्री चौक पर इकट्ठा हुये। यहां से सरकार के विरोध में नारे लगाते हुये कलेक्ट्रेट पहुचे और राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को

सौंपकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और मामलों की सीबीआई जांच की मांग की।

हर तरफ गूंजा योग का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दशम योगा दिवस के अवसर पर नगर पंचायत गणेशपुर में योगा कार्यक्रम जिसने अधिशासी अधिकारी शिवप्रताप सिंह, डी.पी. चौधरी, विकास कुमार, अर्जुन चौधरी, अरुण सोनकर, धर्मेंद्र जायसवाल, नगर पंचायत गणेशपुर के कर्मचारियों सहित अन्य लोग सम्मिलित हुए। लोगों को योग का महत्व बताया गया।

भाकियू की बैठक में गूंजा जमीनी मुद्दाः धान की रोपाई के लिये नहरों में पानी छोड़ने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन की बैठक जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी की अध्यक्षता में शिवा कालोनी स्थित शिविर कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में किसान समस्याओं के निस्तारण हेतु कई विन्दुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही एक प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी से मिलकर उन्हें स्थितियों की जानकारी देगा।

बैठक में धान की रोपाई करने हेतु नहरों में पानी छोड़े जाने, जंगली और आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, फसल बीमा में निजी कम्पनियों को हटाकर सरकार द्वारा प्रीमियम जमा कराये जाने, सरकारी नलकूपों को ठीक कराने, कृषि कार्य हेतु किसानों को निःशुल्क कनेक्शन दिलाये जाने, सहारा के निवेशकों का भुगतान कराये जाने, वरासत या वसीयत के नाम पर धन उगाही पर रोक लगाने, यूरिया, डीएपी पर किसी प्रकार का टैग न लगाने, कुदरहा विकास खण्ड क्षेत्र के लालगंज स्थित कुंआनों पुल पर जाली लगवाये जाने आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।

भाकियू जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी ने बैठक में कहा कि किसान समस्याओं का निस्तारण पहली प्राथमिकता है। डीएम से वार्ता के बाद यदि समस्यायें हल न हुई तो भाकियू बाध्य होगा आन्दोलन करेगा। बैठक में पूर्व अध्यक्ष जयराम चौधरी, शोभाराम ठाकुर, डा. आर.पी. चौधरी, रामकृष्ण चौधरी, रामचन्दर सिंह आदि ने संगठन की मजबूती पर महत्वपूर्ण सुझाव दिया। मुख्य रूप से विनोद कुमार चौधरी, ब्रम्हदेव चौधरी, पंचराम, रामपाल सिंह, राधेश्याम, सीताराम, राम सुरेमन, रमेश चन्द्र, राम शव्द, कन्हैया प्रसाद, राजेन्द्र कुमार, बगेदू, शिवसागर, के साथ ही भाकियू के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

किया योग, दिया निरोगी जीवन का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दशम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम अमर शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्टस स्टेडियम में आयोजित किया गया, जहॉ प्रभारी मंत्री राकेश सचान, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, एमएलसी सुभाष यदुवंशी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित व भगवान धन्वन्तरि के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.एस. दुबे, पीडी राजेश झा, जिला विकास अधिकारी अजय सिंह, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, डीपीआरओ रतन कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप तिवारी, उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, प्रभारी क्षेत्रीय एवं यूनानी डा. इन्द्र बहादुर यादव, स्पोर्ट अधिकारी संजय शर्मा, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, प्रेसक्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय, अपर जिला सूचना अधिकारी हितेन्द्र कुमार सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी, गणमान्य व संभ्रांतजन, शिक्षक–शिक्षिकाए, छात्र–छात्राए, विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें। योगाभ्यास कार्यकम में प्रतिभाग कर खुद के साथ–साथ अपने परिजनों को खुश व निरोग रहने का संकल्प लिया गया।

प्रभारी मंत्री ने योग दिवस में आये हुए नागरिको को धन्यवाद ज्ञापित किया योग प्रशिक्षक सन्नों दुबे, सूर्य प्रताप सिंह के नेतृत्व में योग किया गया। इसी कड़ी में जिला सहकारी बैंक बस्ती के अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी की अगुवाई में बैंक परिसर में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी योग महोत्सव का आयोजन हुआ।

माता कात्यायनी मंदिर के परिसर में योग शिविर का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कप्तानगंज विकासखण्ड के महादेवरी में माता कात्यानी मंदिर के परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक दिवाकर सिंह के द्वारा पद्मासन, वज्रासन, सिद्धासन, वक्रासन, सूर्यभेदन, उज्जाई, शीतली, भस्त्रिका, भ्रामरी आदि आसान और प्राणायाम कराए गए। मंदिर समिति के सदस्य सन्तोष कुमार शुक्ल ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग से मनुष्य के जीवन में एकाग्रता, शारीरिक और मानसिक सामंजस्य से जीवन शैली में बदलाव आता है। समाजसेवी चंद्रमणि पाण्डेय उर्फ सुदामा ने योग के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि आज के समय में योग को जन आंदोलन बनाने की जरूरत है।

इस अवसर रामसिंगार ओझा, अमरनाथ शुक्ल, शिवचरण जायसवाल, गिरजा शंकर द्विवेदी, राघवेंद्र पाण्डेय, सूर्यकांत विश्वकर्मा, विमलेंद्र सिंह, शक्तिदीप पाठक, अयोध्या सिंह, जगदंबा प्रसाद ओझा, शिवाकांत पाण्डेय, राधेश्याम, राम निहाल शुक्ल, रामशंकर शुक्ल, मंगल प्रसाद शुक्ल, बाबूराम शुक्ल, पंकज शुक्ल, प्रखर शुक्ल, छठीराम, आशुतोष शुक्ल, प्रेम शंकर शुक्ल, प्रेम प्रकाश शुक्ल, सतीश शुक्ल लायक, राकेश शुक्ल, शिवशंकर शुक्ल, देवआशीष शुक्ल, प्रथम शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

केजरीवाल को अभी राहत नहीं

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने उनकी जमानत पर फिलहाल रोक लगा दी है और फैसला सुरक्षित रखा है। माना जा रहा है कि दो से तीन दिन पर इस पर फैसला आएगा। तब तक उन्हें तिहाड़ जेल में ही

रहना होगा। बता दें कि गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी। इस पर ईडी ने शुक्रवार को हाईकोर्ट का रुख किया था। ईडी ने इस मामले को तत्काल सुनवाई की मांग की। ईडी की याचिका पर सुनवाई को लिए हाईकोर्ट सहमत हो गया है।

ईडी का दावा है कि हमको अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करने का पूरा मौका नहीं दिया क्या, इसलिए निचली अदालत के जमानत के फैसले पर रोक लगाई जाए।

पूर्व विधायक संजय प्रताप ने किया सरयू नहरों के सभी रजवाहों में पानी छोड़े जाने की मांग

–रूधौली क्षेत्र के किसान परेशान, तालाब सूखे, धान की नर्सरी डालने का संकट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर अन्तर्गत निकलने वाली सरयू नहरों के सभी रजवाहों में पानी छोड़े जाने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा है कि विधानसभा क्षेत्र 309 रुधौली क्षेत्र अन्तर्गत विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर में सरयू नहर खण्ड–चार एवं उसकी उप शाखा की नहरे बनायी गयी है। इन नहरों से किसानों के खेतो की सिंचाई के लिए समय समय पर पानी मुहैया कराया जाता है। इस वर्ष खरीफ की फसलो के लिए विभाग द्वारा नहरो में पानी केवल मई माह के अन्तिम सप्ताह में छोड़ा गया था, जो पिछले कई माह से तपती धरती की प्यास

बुझाने के लिए नाकाफी था। इस वर्ष भीषण गर्मी एवं बरसात न होने से खेत खलिहान सूख चुके है, पोखरो, तालाबो में पानी न होने से पशु पक्षी प्यास बुझाने के लिए भटक रहे है। यहां तक कि सल्टौआ गोपालपुर अन्तर्गत कई गावों का वाटर लेविल नीचे हो जाने के कारण लोगो को जल संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान नहरो में पानी न आने की सबसे अधिक शिकायते प्राप्त हुई। धान की नर्सरी तैयार करने के लिए पानी का अभाव किसानों के लिए सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है, जिससे खरीफ की अन्य फसले भी बर्बाद हो रही है।

उन्होने समस्याओं को गम्भीरता से संज्ञान में लेते हुए सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड अन्तर्गत निकलने वाली सरयू नहर के सभी रजवाहों में पानी छोड़ने हेतु संबंधित को निर्देशित किया जाय जिससे किसानों को उनके खेती की सिंचाई में सुविधा और आम जनता को राहत मिल सके।

कप्तानगंज में बी.डी.सी. सदस्यों के साथ बैठक न होने से रोषः सौंपा ज्ञापन

–विकास प्रकिया में घोर उपेक्षा के शिकार हैं बी.डी.सी. सदस्य–रामशंकर यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज विकास खण्ड में क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ बैठक न होने से रोष का माहौल है। क्षेत्र पंचायत स्वाभिमान संघ के संरक्षक एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख रामशंकर यादव, ब्लाक अध्यक्ष आशीष सोनकर के नेतृत्व में बी.डी.सी. सदस्यों ने शुक्रवार को खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि नियमानुसार प्रति वर्ष बी.डी.सी. सदस्यों के साथ चार बैठक करने के साथ ही विकास कार्यो में उनकी भागीदारी सुनिश्चित किया जाय। खण्ड विकास अधिकारी ने सदस्यों को समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से क्षेत्र पंचायत स्वाभिमान संघ के संरक्षक एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख रामशंकर यादव ने कहा कि बीडीसी सदस्यों की घोर उपेक्षा हो रही है। शपथ ग्रहण के बाद उनकी भूमिका को ही नकार दिये जाने की घातक प्रवृत्ति चल रही है। यही कारण है कि बीडीसी सदस्य क्षेत्र के जनता के भरोसे पर खरा नहीं उतर पा रहे हैं। बताया कि कप्तानगंज ब्लाक में पिछले तीन वर्ष में मात्र दो बैठक हुई जबकि नियमानुसार प्रति वर्ष चार बैठक होनी चाहिये और बीडीसी सदस्यों की विकास कार्यो में राय ली जानी चाहिये। उन्होने मांग किया कि तत्काल प्रभाव से बैठक बुलायी जाय और बीडीसी सदस्यों को उनका अधिकार दिया जाय। पूर्व ब्लाक प्रमुख रामशंकर यादव ने कहा कि कप्तानगंज विकास खण्ड में पूरी तरह से मनमानी हो रही है और चंद ठेकेदार समूचे विकास प्रक्रिया पर भारी पड़ रहे हैं। बीडीसी सदस्य स्वंय को ठगा सा महसूस कर रहे हैं यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है।

खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज को ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से गोपी निषाद, शिव कुमार निषाद, शिल्पा यादव, चन्द्रदेव सिंह, रीमा पाण्डेय, शिव प्रसाद चौधरी, जैसराम चौधरी, सूर्य नरायन, राजकुमार वर्मा, दिनेश कुमार यादव, सरोज सिंह, शेषनाथ यादव के साथ ही 32 बी.डी.सी. सदस्य शामिल रहे।

हिन्दुओं के उत्पीड़न के विरोध में विश्व हिन्दू महासंघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि पैकोलिया थाना क्षेत्र में कुछ विपक्षी नेताओं के दबाव प्रभाव में किया जा रहा हिन्दुओं का उत्पीड़न और पुलिस द्वारा मुस्लिम समुदाय के लोगों को दिया जा रहा संरक्षण बंद कराया जाय।

ज्ञापन देने के बाद प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि पैकोलिया थाना क्षेत्र के पेडार गांव में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा हिन्दू परिवार के नाबालिग बच्चों को दौड़ा–दौडाकर, घर में घुसकर पीटा गया, महिलाओं के साथ अभद्रता की गई और पुलिस ने घटना के अनुसार मुकदमा दर्ज न करके उसका अल्पीकरण कर दिया और 151 में चालान कर खाना पूर्ति कर दी गई। इसी प्रकार पैकोलिया थाना क्षेत्र के ही खुर्दा गांव में मुस्लिमों द्वारा गरीब हिन्दू परिवार के व्यक्ति

–पैकोलिया पुलिस पर मनमानी कार्यवाही का आरोप

को बांधकर, धारदार हथियार से जान से मारने की नीयत से मारा पीटा गया किन्तु पैकोलिया पुलिस ने 151 में चालान कर प्रकरण को हल्का कर दिया गया। पैकोलिया पुलिस के इस प्रकार की कार्रवाई से क्षेत्र के हिन्दुओं में भय व्याप्त है। जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि एक तरफ जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भय मुक्त समाज के लिये निरन्तर प्रयत्नशील हैं वहीं कुछ लोग सरकार की मंशा के विपरीत आचरण कर सरकार की छवि धूमिल करने में लगे हैं। उन्होने दोनों प्रकरणों में मुख्यमंत्री से प्रभावी हस्तक्षेप का आग्रह किया है। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री कुलदीप मिश्रा, बाबा जयप्रकाश दास, राजकुमार उर्फ मंटू चौधरी, आशीष उर्फ कल्लू बाबा, सौरभ त्रिपाठी, अमरदीप श्रीवास्तव, किशन गुप्ता, वेद प्रकाश त्रिपाठी, मनीष पाण्डेय, राजेश गुप्ता, राकेश सिंह, अमरजीत सिंह, जमुना प्रसाद, मोहंटी गुप्ता के साथ ही विश्व हिन्दू महासंघ के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में योग शिविर का आयोजन, डीएम सहित हजारों लोगों ने हिस्सा लिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को हरैया विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में अमोढ़ा स्थित रामरेखा मंदिर के प्रांगण में योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी आंद्रा वामसी सहित अधिकारियों, नेताओं के साथ हजारों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। योग प्रशिक्षकों द्वारा तरह–तरह के आसान, प्राणायाम सहित अनेक तरह के योग उपस्थित लोगों को कराए गए। योग समाप्ति पर योग शिविर में आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए विधायक अजय सिंह ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए योग के साथ ही समृद्ध पर्यावरण हम सभी की जिम्मेदारी है। आज के जलवायु परिवर्तन के कारण हम और आप हैं अगर समय रहते हम लोग नहीं चेते तो हम आने वाली पीढ़ियों को केवल

बीमारी देंगे। पानी की उपलब्धता और अत्यधिक पेड़ के द्वारा ही हम अच्छे पर्यावरण की कल्पना कर सकते हैं। जब पर्यावरण अच्छा होगा तो हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा होगा। कहा कि योग केवल हमारे शरीर को नहीं, बल्कि हमारी सोच और जीवन दृष्टिकोण को भी बदलता है। यह हमें एक स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध जीवन की ओर अग्रसर करता है। जिलाधिकारी आंद्रा वामसी ने कहा कि योग दिवस तो जागरूकता के लिए है लेकिन अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग को सभी लोग दिनचर्या में शामिल करें। पर्यावरण के संबंध में विधायक के बातों का समर्थन करते हुए जिलाधिकारी ने कहा हमारे स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण बहुत ही आवश्यक है। योग के उपरान्त शिविर में आए लोगों को जलपान और फलाहार कराया गया।

योग शिविर कार्यक्रम में एसडीएम हरैया विनोद त्रिपाठी, सीओ अशोक कुमार मिश्र, तहसीलदार अनुराग सिंह, बीडीओ हरैया सुशील कुमार पाण्डेय, थाना प्रभारी हरैया राणा देवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ आरके सिंह, प्रमुख विक्रमजोत केके सिंह, पूर्व प्रमुख योगेन्द्र सिंह, राम सिंगार ओझा, सभासद धर्मध्वज सिंह, विधायक प्रतिनिधि पं. सरोज मिश्र, अर्जुन सिंह, राजा पाण्डेय, विकास कान्त पाण्डेय, प्रेम शंकर ओझा, गिरजेश बहादुर सिंह, आनन्द सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय, अरविंद सिंह, अमरनाथ सिंह, आयुष गुप्ता सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 जून 2024 शनिवार

सम्पादकीय

जानलेवा होता वातावरण

देश में भीषण गर्मी से मौत की घटनायें बढ गयी। मौसम जानलेवा होते जा रहे हैं। इस दिशा में प्रभावी पहल की जरूरत है। यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट के वे आंकड़े परेशान करने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। दुखद बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित व परेशान करने वाले हैं। वहीं नीति–नियंताओं को शर्मसार करने वाले भी हैं कि इस दिशा में अब तक गंभीर प्रयास क्यों नहीं हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण संकट से अकेला भारत ही जूझ रहा है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन–प्रशासन की कोताही को ही दर्शाता है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन,गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। दरअसल, अनियोजित कॉलोनियों व बहुमंजिली इमारतों के निर्माण से हवा का वह स्वाभाविक प्रवाह बाधित हुआ है जो वायु प्रदूषण रोकने में मददगार होता था। दीवाली के आसपास पराली जलाने का ठीकरा किसानों के सिरों पर फोड़कर प्रदूषण नियंत्रण की जवाबदेही से मुक्त होने का जो उपक्रम होता है, वह जगजाहिर है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से वर्ष 2021 में जिन 21 लाख लोगों की मौत होने का जिक्र है, दुर्भाग्य से उनमें 1,69,400 बच्चे हैं। जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका शारीरिक विकास भी सही से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन–केन– प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। हर साल शीत ऋतु की दस्तक होने पर वायु प्रदूषण का जो बड़ा संकट राष्ट्रीय राजधानी में पैदा होता है, उसे शासन फौरी उपायों से दूर करने का प्रयास करता है। वाहनों की गुणवत्ता के मानकों पर प्रवेश, ऑड–ईवन की तर्ज पर वाहनों का चलाना, फैक्ट्रियों में उत्पादन पर रोक, निर्माण कार्य पर रोक जैसे फौरी उपायों का सहारा लिया जाता है। फिर साल भर के लिये तंत्र हाथ पे हाथ धरे बैठा रहता है। सवाल यह है कि ये नीतियां साल भर के लक्ष्य को रखकर क्यों नहीं बनायी जाती? राष्ट्रीय राजधानी के अलावा भी देश में यह संकट लगातार गहरा हो रहा है, तो विभिन्न राज्यों में दिल्ली जैसी पहल क्यों नहीं होती?

पेपर लीक पर चुप क्यों है सरकार

—नीरज कुमार दुबे—

एक के बाद एक लीक होती परीक्षाओं के चलते देशभर में छात्रों और अभिभावकों का गुस्सा उबाल ले रहा है। सवाल उठ रहा है कि यह कैसा तंत्र है जो प्रश्नपत्रों को लीक होने से नहीं रोक पा रहा है? सवाल उठ रहा है कि प्रश्नपत्र लीक होने पर परीक्षा रद्द कर देने और सीबीआई जांच बिठा देने से ही क्या छात्रों के समय और पैसे की बर्बादी रुक जायेगी? सवाल उठ रहा है कि क्या देश में परिश्रम, योग्यता और प्रतिभा के आधार पर कभी समान अवसर सुनिश्चित हो पाएंगे? हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं और प्रश्नपत्र लीक करने वाले माफियाओं पर नकेल नहीं कस पा रहे हैं? मंत्रियों की जबान से देखते हैं, सख्त कार्रवाई करेंगे, किसी को बख्शा नहीं जायेगा जैसे बयान सुन सुन कर अब लोग ऊब चुके हैं।

बड़े–बड़े एसी कमरों में बैठने वाले मंत्रियों और अधिकारियों को शायद पता नहीं है कि बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराने के लिए महंगे–महंगे कोचिंग सेंटरों में भेज कर मोटी फीस और ट्यूशन फीस पर लगने वाला भारी भरकम जीएसटी देते देते अभिभावकों की कमर टूट जाती है, परीक्षा की तैयारी करते करते छात्रों की हालत खराब हो जाती है, बार–बार परीक्षा रद्द होने से छात्रों का समय और भविष्य को लेकर बनाई गई योजनाएं बाधित हो जाती हैं, इस सबसे छात्र अवसाद में आ जाते हैं, लेकिन सरकार सिर्फ सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर चुप्पी साध लेती है? इसके अलावा, पैसे वाले छात्र तो फिर भी अपने हक की लड़ाई के लिए अदालतों तक चले जाते हैं लेकिन बेचारे गरीब छात्र सिर्फ देखते रहे जाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के समय गरीब छात्र किसी तरह यात्रा खर्चे का जुगाड़ कर परीक्षा केंद्र तक आते हैं और जब परीक्षा रद्द हो जाये तो उनके सामने कोई दूसरा रास्ता भी नहीं रहता। दोबारा परीक्षा होने पर परीक्षा शुल्क तक देने के उसके पास पैसे नहीं होते हैं इसलिए कई छात्र तो दोबारा परीक्षा में भाग भी नहीं लेते।

यह आश्चर्यजनक स्थिति है कि हम सर्जिकल और एअर स्ट्राइक के माध्यम से दुश्मन को उसके घर में घुस कर मारते हैं लेकिन अपने छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा नहीं दिलवा पा रहे हैं। हम कहते हैं कि ये नया भारत है, कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे नहीं, लेकिन प्रश्नपत्रों के साथ छेड़छाड़ होती जा रही है और हम कुछ कर नहीं पा रहे? हम आपको बता दें कि मोदी सरकार के आने से पहले तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं को आयोजित कराने के लिए विभिन्न संस्थान थे, लेकिन उन सबको एक प्लेटफॉर्म पर लाते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की स्थापना कर दी गयी। परन्तु यह एजेंसी अपने आरम्भकाल से ही विवादों में रही है। प्रश्नपत्र लीक होते रहते हैं और अधिकारी हाथ पर हाथ धरे तब तक बैठे रहते हैं जब तक छात्र और अभिभावक सड़कों पर उतर कर हंगामा नहीं करते। सरकार भी पूरे मामले पर तब तक चुप्पी बरतती है जब तक विपक्ष पेपर लीक को बड़ा मुद्दा नहीं बना दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा तो करते हैं लेकिन सवाल उठता है कि वह पेपर लीक मुद्दे पर अपने मंत्रियों या अधिकारियों से चर्चा क्यों नहीं करते?

बहरहाल, मोदी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति तो ले आई लेकिन आप शिक्षा मंत्रालय के तमाम फैसलों को देखेंगे तो ऐसा प्रतीत होगा कि इस सरकार की कोई शिक्षा नीति है नहीं बस मंत्री और अधिकारी प्रयोग पर प्रयोग किये जा रहे हैं जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। हालिया लोकसभा चुनावों में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं ने मोदी सरकार से नाराजगी इसलिए भी जताई है क्योंकि वह पेपर लीक नहीं रोक पा रही है। जहां तक यूजीसी–नेट परीक्षा की बात है तो आपको बता दें कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' को लेकर उपजे विवाद के बीच, शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी–नेट परीक्षा रद्द करने का बुधवार को आदेश दिया और मामले को गहन जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा, "यूजीसी को गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इकाई से परीक्षा के संबंध में कुछ सूचनाएं प्राप्त हुई थीं। इन सूचनाओं से प्रथम दृष्टया संकेत मिला है कि उक्त परीक्षा की शुचिता से समझौता किया गया।" मंत्रालय ने कहा, "परीक्षा प्रक्रिया में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित करने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि यूजीसी–नेट जून 2024 की परीक्षा रद्द कर दी जाए।" देखना होगा कि आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से मोदी सरकार रोक पाती है या फिर से परीक्षाएं रद्द होने और जांच बिठा देने का सिलसिला आगे भी चलता रहेगा।

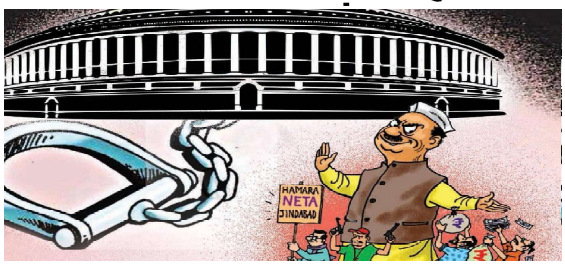

लोकतंत्र में अपराधियों का बढ़ता हस्तक्षेप

—डा. वरिन्द्र भाटिया—

एक ताजा–तरीन रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार इस बार के लोकसभा चुनावों में जीतने वाले प्रत्याशियों में से 46 प्रतिशत ऐसे हैं जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। लोकतंत्र में सुधार के मुद्दों पर काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ए.डी.आर.) ने इन लोकसभा चुनावों में जीतने वाले सभी प्रत्याशियों के हलफनामों का अध्ययन कर यह जानकारी निकाली है। ए.डी.आर. की रिपोर्ट के मुताबिक 543 जीतने वाले प्रत्याशियों में से 46 प्रतिशत (251) प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा सभी जीतने वाले प्रत्याशियों में 31 प्रतिशत (170) ऐसे हैं जिनके खिलाफ बलात्कार, हत्या, अपहरण आदि जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 27 जीतने वाले प्रत्याशी ऐसे हैं जो दोषी भी पाए जा चुके हैं और या तो जेल में हैं या जमानत पर बाहर हैं। 4 जीतने वाले प्रत्याशियों के खिलाफ हत्या के मामले, 27 के खिलाफ हत्या की कोशिश के मामले, 2 के खिलाफ बलात्कार, 15 के खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराध, 4 के खिलाफ अपहरण और 43 के खिलाफ नफरती भाषण देने के मामले दर्ज हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि किसी साफ पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशी की जीतने की संभावना सिर्फ 4.4 प्रतिशत है, जबकि आपराधिक मामलों का सामना कर रहे प्रत्याशी की जीतने की संभावना 15.3 प्रतिशत है। भाजपा के 240 विजयी प्रत्याशियों में से 39 प्रतिशत (94), कांग्रेस के 99 विजयी प्रत्याशियों में से 49 प्रतिशत (49), सपा के 37 में से 57 प्रतिशत (21), तृणमूल कांग्रेस के 29 में से 45 प्रतिशत (13), डीएमके के 22 में से 59 प्रतिशत (13), तेदेपा के 16 में से 50 प्रतिशत (8) और शिवसेना (शिंदे) के सात में से 71 प्रतिशत (पांच) प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

आरजेडी के 100 प्रतिशत (चारों) प्रत्याशियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। स्थिति को राज्यवार देखें तो केरल सबसे आगे है, जहां विजयी प्रत्याशियों में से 95 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके बाद तेलंगाना (82 प्रतिशत), ओडिशा (76 प्रतिशत), झारखंड (71 प्रतिशत) और तमिलनाडु (67 प्रतिशत) जैसे राज्यों का स्थान है। इनके अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, गोवा, कर्नाटक और दिल्ली में 40 प्रतिशत से ज्यादा विजयी प्रत्याशी आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

ए.डी.आर. की रिपोर्ट दिखा रही है कि चुनाव दर चुनाव ऐसे सांसदों की संख्या बढ़ती जा रही है जिनके खिलाफ आपराधिक और गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में लोकसभा में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे सांसदों की संख्या 30 प्रतिशत थी। 2014 में यह संख्या बढ़ कर 34 प्रतिशत, 2019 में 43 प्रतिशत और 2024 में 46 प्रतिशत हो गई। गंभीर आपराधिक मामलों वाले सांसदों की संख्या देखें तो 2009 में उनकी संख्या 14 प्रतिशत थी, 2014 में बढ़कर 21 प्रतिशत, 2019 में 29 प्रतिशत और 2024 में 31 प्रतिशत हो गई। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि राजनीतिक दल यह मान नहीं रहे हैं कि जिनके खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हों ऐसे लोगों को चुनाव लड़ाना देश के लिए अच्छा नहीं हैं। सभी जगह अकुशल शासन राजनीति के अपराधीकरण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस बिन्दू पर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार अपनी चिंता जताई है। सजायाफ्ता नेताओं की सदस्यता रद्द करने का–4 सितंबर 2013 को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि 2 साल या उससे अधिक की सजा पाए नेताओं की सदस्यता रद्द हो जाएगी। सदस्यता रद्द होने के अलावा दागी नेता 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। कोर्ट ने फैसले में आगे कहा था कि जेल में रहते हुए किसी नेता को वोट देने का अधिकार भी नहीं होगा और न ही वे चुनाव लड़ सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में एक फैसले में कहा कि राजनीतिक दलों को यह बताना होगा कि दागी उम्मीदवारों को क्यों टिकट दिया और उनपर कितने केस दर्ज हैं। कोर्ट ने कहा सभी माध्यमों में विज्ञापन देकर राजनीतिक दल जनता को दागी छवि वाले उम्मीदवारों के बारे में बताएं।

साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि देश में कितने सांसद और विधायक दागी हैं? इनके केसों की सुनवाई के लिए कितने स्पैशल कोर्ट बनाए गए हैं? इसकी जानकारी दीजिए। सुनते हैं कि केंद्र ने हलफनामा जमा नहीं किया, जिस पर कोर्ट और केंद्र में ठन गई। 2018 में दागी नेताओं को टिकट नहीं देने की याचिका पर चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की बैंच में सुनवाई चल रही थी। इस पर केंद्र सरकार भड़क गई। तत्कालीन अटॉर्नी जनरल ने कहा कि संसद का काम भी आप ही कर दीजिए। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा– जब तक आप नहीं करेंगे तब तक हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकते हैं। चुनाव लडने के लिए उम्मीदवारों और पाध्टयों को जितने पैसे की जरूरत होती है, जो साधारण लोगों के बस में नहीं है। साथ ही इलाके में अपराध की वजह से अपराधियों की नैटवर्किंग काफी मजबूत रहती है। इन दोनों वजहों से राजनीतिक दल अपराधियों को टिकट देती है। इनमें कई अपराधी चुनाव जीत कर रॉबिनहुड की छवि बना लेते हैं।

वर्तमान में ऐसी स्थिति बन गई है कि राजनीतिक दलों के मध्य इस बात की प्रतिस्पर्धा है कि किस दल में कितने उम्मीदवार आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं क्योंकि इससे उनके चुनाव जीतने की संभावना बढ़ जाती है आज राजनीति और अपराध की दुनिया का आपस में अटूट इश्किया बंधन है जो कभी भी जुड़ा नहीं होगा यह एक बार फिर इस बार के लोक सभा चुनावों मे कड़वा सच बन कर सामने आया है हमें सुनिश्चित करना होगा कि अपराधी लोकतंत्र के पूरक न बन सकें।

दलबदल की बढ़ती संख्या के कारण भारत का लोकतंत्र कमजोर हुआ है और राजनीति का एकमात्र मकसद सत्ता प्राप्ति और उसमें बने रहने के हर कुकर्म को अंजाम देना हो गया है. तय है कि सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने की जिद ने इस हालात को गंभीर बना दिया है. देखा जा रहा है कि जनादेश भी बेमानी हो गये हैं. विधायिका में बहुमत का यह प्रायोजित खेल गंभीर चिंता का विषय है।

भारतीय राजनीति में अंतरात्मा की आवाज एक बेहद घिनौना शब्द बन गया है. इस आवाज का मतलब यह है कि राजनीतिक भविष्य की सुरक्षा की तलाश में कोई भी कदम उठाना. दुखद पहलू यह है कि अब इन घटनाओं पर तीखी प्रतिक्रया देते आमजन नहीं दिखते हैं और न ही इसे कोई अप्रिय घटना के रूप में देखा जा रहा है।

लोकतंत्र की मर्यादा के साथ घिनौना खिलवाड़ राजनीति को ओर कितना पतनशील बनायेगा इसकी कल्पना ही रूह कंपा दे सकती है. 2014 के लोकसभा चुनाव के पहले और चुनाव प्रक्रिया के दौरान भी बड़े पैमाने पर गैर भाजपा नेताओं का दलबदल कराया गया और 2014 तक जो विपक्ष के सांसद थे. उन्हें जनता ने भारी मत से जीता भी दिया। इससे यह धारणा बदलती हुई कि चुनावी जीत तमाम अनैतिकताओं को ठीक उसी तरह खारिज कर देती है, जैसा कि अपराधियों के चुनाव में जीत के बाद कहा जाने लगा और वह अब एक प्रचलित प्रक्रिया का हिस्सा है।

लोकतंत्र अपराधियों और दलबदुलों के रहमोकरम पर यदि निर्भर होगा तो विचारों की जरूरत किस लिए महसूस की जाएगी. यदि सरकारों की निरंकुश प्रवृति बढ़ रही है तो इस तथ्य के आक्षसन से ही कि वह हर हाल में चुनाव जीत लेगा और अपने को न्यायसंगत ठहरा सकेगा. इस प्रवृति का ही हश्र है कि आमजन की कराह को कोई सुनता नहीं हैं और चुनाव आते ही आमजन भी किसी न किसी जुमले के मोह से ग्रस्त हो जाता है. दलबदुओं और अपराधियों के बढ़ते बझते मंसूबों के बीच यह गंभीर चिंता का विषय है।

यदि इन हालातों को बदलना है तो वोटरों की राजनीतिक और लोकतांत्रिक संवेदना को और सजग किये जाने की जरूरत है. पश्चिम के लोकतंत्र में इस तरह की घटनाएं नहीं देखी जाती हैं तो इसका कारण नागरिकों की लोकतांत्रिक पहल है. भारत में लोकतंत्र को केवल मतदान तक सीमित मान लेना बेहद घातक है।सजग नागरिक ही लोकतंत्र का प्रहरी हो सकता है, जबकि शासक समूह की कोशिश इस सजगता को विकसित न होने देने के अनेक जटिल प्रक्रियाओं में देखा जा सकता है. भारत की राजनीति में जिस तरह चुनावी चंदे एकतरफा हुए हैं. उसने भी राजनीतिक दलों को खरीद फरोख्त करने को सहज बनाया है. अंकेक्षण के अभाव में राजनीतिक चंदों का बेहद क्रूर चेहरा पिछले कुछ चुनावों से देखा जा सकता है, जो अब चरम पर है।

राजनीतिक पारदर्शिता और नैतिकता के लिए कठोर कदम उठाए जाने की जरूरत है. अभी जो बीमारी दिख रही है, उसके भावी गंभीर परिणाम निरंकुशता को ही बढ़ावा देगा. दुनिया के अनेक देशों में इस तरह की प्रवृतियों के कारण निरकुंश तानाशाहियों ने अंततः लोकतंत्र का विनाश ही किया है. भारत के की आजादी के आसपास आजाद हुए देशों की यह त्रासद कहानी है. उन देशों में न तो नागरिकों के अधिकार सुरक्षित हैं और न ही वे देश अपनी प्रचुर क्षमताओं का उपाय कर पाये हैं. अनेक देश तो नए किस्म के उपनिवेश जैसे हो गए हैं, जिसके संसाधन विकसित देशों ने हथिया लिए हैं।

भारत को यदि कालाधन और भ्रष्टाचार को खत्म करना है तो ऐसी राजनीति में कालाधन के बढ़ते और निर्णायक होती प्रवृति पर अंकुश लगाना होगा. नागरिक इस पहल की अगुवाई कर सकते हैं, जब वे दलबदलुओं, अपराधियों और भ्रष्ट नेताओं को राजनीतिक सबक सिखायें.

जानलेवा होते मौसम

— कमलेश पाण्डेय—

उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। क्योंकि लू के दिनों की संख्या इस बार दो गुनी से ज्यादा हो गई है। आंकड़े बता रहे हैं कि लू की चपेट में आने से अबतक दर्जनों लोगों की जान चली गई है। वैसे तो ऐसा हर साल मई और जून के महीनों में होता आया है, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन से स्थिति साल दर साल और गम्भीर ही होती जा रही है, जो सार्वजनिक और सामूहिक चिंता की बात है। इस स्थिति से निबटने के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों, दोनों को जागृत होना पड़ेगा, अन्यथा जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों तय किये जाने की मांग भी जोर पकड़ेगी, जो जायज होगी। जानकारों के मुताबिक, देश के कुछेक शहर अब तपते टापू यानी हीट आइलैंड प्रतीत हो रहे हैं। सामान्य शब्दों में हीट आइलैंड का मानक 44 डिग्री और उससे ऊपर का तापमान है। चूंकि यह सामान्य से 4 डिग्री अधिक होता है। इसलिए हीट आइलैंड का शिकार हो रहे शहरों में लू का प्रकोप भी भयावह हो जाता है। इससे शहर की गतिविधियां लगभग ठप पड़ जाती हैं। अमूमन हर साल मई और जून के महीनों में इन शहरों में तापमान 45 से 49 डिग्री तक पहुंच चुका है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो उठता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अंधाधुंध विकास की आंधी में झुलस रहे इन शहरों की मौजूदा स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है और इससे बचने का सही रास्ता क्या है, जिसे सुझाने में सरकार भी लापरवाही बरत रही है!

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के साथ उपयुक्त और अनुपयुक्त भूमि के बिगड़ते संतुलन, शहरों में कंक्रीट के बढ़ते जंगल, वातानुकूलित (एयर कंडीशनर) इमारतें, वाहन और उद्योगों के उगलते धुओं के चलते व्याप्त गर्मी से जगह–जगह पर हीट आइलैंड बन रहे हैं। गांवों की अपेक्षा कंक्रीट वाले शहर इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, जिन इलाकों में पेड़–पौधे कम होते हैं और कंक्रीट के भवन, घनी आबादी और एसी ज्यादा होते हैं, वहां पर हीटलैंड बन जाते हैं। वहां पर अन्य जगहों के मुकाबले 2 से 3 डिग्री अधिक तापमान देखने को मिलता है।

इससे स्पष्ट है कि हीट आइलैंड बनने के वास्ते किसी भी शहर में जो स्थानीय कारण हैं, उनमें बढ़ते भवनों की संख्या, पौधों का कटना, एसी की संख्या बढ़ना, वाहन बढ़ना, घनी आबादियां आदि शामिल हैं। इनका सीधा असर जलवायु परिवर्तन पर पड़ता है, इसलिए इस नजरिए से भी चिंतन जरूरी है। चिकित्सक बताते हैं कि हीट वेब का असर हीट आइलैंड पर ज्यादा होता है। इसके चलते हृदय रोगियों के साथ मस्तिष्काघात (ब्रेन स्ट्रोक) के मामले भी बढ़ रहे हैं। वहीं अनिंद्रा से तनाव–बेचौनी के साथ लोगों की दिनचर्या भी स्पष्ट तौर पर प्रभावित हुई है। इससे गम्भीर बीमारियां भी बढ़ रही हैं। किसी को त्वचा सम्बन्धी सर्वाधिक बीमारियां हो रही हैं तो कोई घमौरियों से परेशान महसूस कर रहा है। वहीं, काम की गति कम होने से शहर के विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। हीट वेब का वनस्पतियों और फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिससे सब्जियों पर महंगाई के बादल मंडराने लगे हैं। वहीं, ऐसे शहरों में लोग बिजली व पानी के संकट के भी शिकार हो रहे हैं। दैनिक मजदूरों के लिए संकट तो आम बात है। वहीं, पशु–पक्षी तक इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए इन सबके लिए एहतियाती उपाय करना राज्य प्रशासन की जिम्मेदारी है।

कुछ शोध रपट बताते हैं कि मकानों में लगाये जा रहे वातानुकूलन संयंत्र (एसी) अंदर तो ठंडक का एहसास करा रहे हैं, लेकिन इसकी कीमत वातावरण के बढ़ते तापमान से चुकाई जा रही है। वहीं, सेंसर आधारित शोध में कंकरीट की इमारतों का तापमान मिट्टी की दीवारों की तुलना में पांच से छह डिग्री तक ज्यादा पाया गया है। वहीं, एक अध्ययन बताते हैं कि हीट आइलैंड बन चुके शहरों में कम बारिश हो रही है, जिसके चलते मौसम की उग्रता बढ़ रही है। खास बात यह है कि प्राकृतिक तौर पर ठंडक बनाये रखने की प्रणाली (नेचुरल कूलिंग सिस्टम) की भी ऐसे शहरों में कमी दिख रही है। इससे शहर के भीतर और बाहर के तापमान में बड़ा अंतर आया है। इसलिए सरकार को चाहिए कि ऐसे शहरों के लिए वह विशेष रिहायशी व औद्योगिक नीति बनाए, ताकि पर्यावरण और आधुनिकता में एक समन्वय स्थापित हो सके। जनजीवन की रक्षा के लिए ऐसा करने की नितांत आवश्यकता है। विशेषज्ञों की मानें तो विभिन्न प्रदेशों में हीट आइलैंड चित्रित करने का कोई तंत्र नहीं है, लेकिन लू की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। जबकि बिहार–झारखंड, यूपी–उत्तराखंड, दिल्ली– हरियाणा–पंजाब, राजस्थान–मध्यप्रदेश के हीट आइलैंड बन चुके कतिपय शहरों में इन्हें चित्रित करने का तंत्र विकसित किया जाना चाहिए।

पुलिस मुठभेड़ के बाद तीन पशु तस्कर गिरफ्तार, एक को लगी गोली

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर के स्थानीय थाना क्षेत्र के शिव सराया—समउर मार्ग स्थित नहर के समीप पुलिस व पशु तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पुलिस ने तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक तस्कर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। चार पहिया वाहन से बिहार ले जा रहे पांच गोवंशों को मुक्त कराया गया।

शुक्रवार भोर करीब तीन बजे तमकुहीराज पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान तीन पशु तस्करों को प्रतिबंधित गोवंश के साथ मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। एक पशु तस्कर पुलिस की गोली से घायल हो गया, जबकि दो को पुलिस टीम ने दौड़ा कर हिरासत में लिया। तस्करों के पास से पुलिस ने एक तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा, पांच गोवंश, एक वाहन बरामद किया।

पुलिस टीम ने घायल पशु तस्कर को इलाज के लिए सीएचसी तमकुहीराज भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रविंद्रनगर स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। दो पशु तस्कर पुलिस हिरासत में है। एएसपी दक्षिणी अभिनव त्यागी ने बताया शुक्रवार भोर में इंस्पेक्टर तमकुहीराज अतुल कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र के शिव सराया—समउर मार्ग स्थित नहर के समीप वाहनों की जांच कर रही थी।

इसी दौरान गोवंश लदा एक टाटा गोल्ड वाहन आते हुए दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जब रोकने का प्रयास किया तो तस्कर कुछ दूर वाहन खड़ा कर भागने लगे। जब पुलिस टीम ने पीछा किया तो तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जबाबी कारवाई में पुलिस टीम ने एक पशु तस्कर तमकुहीराज थाना क्षेत्र के मोरवन मठिया निवासी इमाम हुसैन को पैर में गोली मार कर गिरफ्तार किया। जबकि पटहेरवा थाना क्षेत्र के पड़री तिलक राय निवासी शफीक व तमकुहीराज थाना क्षेत्र के लतवा मुरलीधर निवासी अजीमुल्लाह को दौड़ा कर हिरासत में लिया व बिहार ले जा रहे पांच गोवंशों को मुक्त कराया गया।

चारो ओर योग दिवस की धूम, स्टेडियम में एक हजार लोगों ने किया योग

संवाददाता—देवरिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को चारो ओर योग दिवस की धूम रही। देवरिया के रविन्द्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में एक हजार लोगों ने एक साथ योग किया। इसमें लोगो ने योग के साथ निरोग रहने की विधि का अभ्यास किया। मुख्य मंच पर योग प्रशिक्षक यतेंद्र सागर, ममता तिवारी व पूजा मद्धेशिया ने योग की विविध विधियोन को प्रदर्शित किया। इसको सामने अभ्यास कर रहे विशिष्ट व आमजनों ने दोहराया। इस अभ्यास में अनुलोम विलोम समेत विविध प्राणायाम, पवन्मुक्त, शवासन समेत विविध आसनों का अभ्यास कराया। पूरे कार्यक्रम की दरों से रिकॉर्डिंग की गई।

इस अवसर पर सदर सांसद शशांक मणि, एमएलसी देवेंद्र सिंह के प्रतोनिधि राजू मणि, जिले के नोडल अधिकारी नगर विकास विभाग के सचिव अजय कुमार शुक्ल, डीएम अखंड प्रताप सिंह, एसपी संकल्प शर्मा, सीडीओ प्रत्यूष पांडेय, ईओ अंकिता शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, जिला महामंत्री प्रमोद शाही आदि उपस्थित रहे।

अनिल राजभर बोले— पीएम मोदी ने योग को दुनिया के सामने रखा, राहुल और अखिलेश के बयान पर किया पलटवार

संवाददाता—बहराइच। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर गोंडा के पीएसी ग्राउंड में पहुंचे श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने अफसरो के साथ योग किया। योग कार्यक्रम संपन्न होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना किया। विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए जमकर पलटवार किया।

श्रम सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने योग कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहां की समूचा विपक्ष देश और सरकार को बदनाम करने में जुटा है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष देश और सरकार को बदनाम करने में जुटा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने योग को दुनिया के सामने रखा। जिसे पूरी दुनिया ने स्वीकारा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत काफी समृद्ध हुआ है। योग को लेकर युवाओं में आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। नीट परीक्षा के सवाल पर राजभर ने कहा कि पूरे मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा को लेकर विपक्ष को धैर्य रखना चाहिए। श्री राजभर ने अखिलेश यादव की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव से सीखने की जरूरत हमे नहीं है। उन्होंने सपा सुप्रीमो अखिलेश पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अखिलेश और उनके पिता की सरकारों के कार्यकाल में हुई भर्तियों में जिस तरह से आरोप लगे उसकी चर्चा हम करना नहीं चाहते है।

नहीं हटाया गया खलिहान की जमीन से अवैध कब्जा

संवाददाता—श्रावस्ती। भिनगा तहसील के बनकटवा भिट्ठी निवासी चंद्रशेखर पुत्र त्रिवेदी प्रसाद ने डीएम को शिकायती पत्र देकर खलिहान की जमीन से अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि दो साल पहले लेखपाल ने जमीन की पैमाइश करके अपनी रिपोर्ट दी थी। जिसमें गांव के ही एक दबंग व्यक्ति ने दीवार उठा लिया था। लेकिन राजस्व विभाग की लापरवाही के कारण आज तक खलिहान की जमीन से अवैध कब्जा नहीं हटाया जा सका। वर्तमान लेखपाल की ओर से मामले की लीपापोती की जा रही है। अवैध कब्जा हटवाने के लिए बार बार मांग की जा रही है लेकिन राजस्व कर्मी अवैध कब्जा हटवाना नहीं चाहते है।

वृद्ध की गला दबाकर हत्या, शव सड़क किनारे गड्ढे में फेंका

संवाददाता—देवरिया। खुखुंदू थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव के पास एक 65 वर्षीय वृद्ध की गुरुवार रात में गला दबाकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने हत्या कर शव को सड़क किनारे गड्ढे में फेंक दिया है। शुक्रवार की सुबह टहलने निकले लोगों ने शव देख परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खुखुंदू के भटहर गांव निवासी गाया यादव बहादुरपुर के पास स्थित एक गिट्टी बालू की दुकान पर चौकीदारी करते थे। रोज की तरह गुरुवार शाम को भी वह घर से भोजन कर बहादुरपुर दुकान के लिए निकले। शुक्रवार सुबह देवरिया—सलेमपुर फोरलेन किनारे गाया यादव का शव दुकान से तकरीबन दस मीटर दक्षिण गड्ढे में मिला। मृतक के पेट पर बदमाशों ने पैर के पंजों से वार किया है। कुर्ते पर स्पष्ट निशान दिख रहा था। इसके अलावा गला सूजा हुआ है। मुंह से खून भी निकला है।

पुलिस का कहना है कि बदमाशों ने पेट पर वार कर गला दबाकर हत्या की है। घटना के बाद पत्नी अनारी देवी, बेटा सुभाष यादव और रामआसरे यादव का रो—रो कर बुरा हाल है। इंस्पेक्टर दिलीप सिंह ने बताया कि वृद्ध की गला दबाकर हत्या की गई है। तहरीर मिलते ही केस दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। केस दर्ज कर बदमाशों की धड़पकड़ की जाएगी।

फल व्यवसायी के घर लगी आग, हजारों का नुकसान

संवाददाता—श्रावस्ती। बिजली की शार्ट सर्किट से फल व्यवसायी के घर आग लग गई। देखते ही देखते घर में रखा सारा सामान व हजारों रुपये के फल जलकर राख हो गए। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने लोगों की मदद से आग पर काबू पाया।

इकौना थाना क्षेत्र के कस्बा इकौना के मोहल्ला मुबारक नगर निवासी कन्हैया लाल भुजवा पुत्र बाबादीन एक फल व्यवसायी है जो मंडी से फल लाकर ठेले पर रख कर बिक्री करता है। साथ ही घर के एक कमरे में फल को रखता है। गुरूवार देर शाम को बिजली की शार्ट सर्किट से घर में आग लग गई। कुछ ही देर में आग पूरे कमरे में फैल गई। अगलगी की घटना देख घर के लोग बाहर निकले और शोर मचाने लगे। मौके पर अफरा तफरी मच गई और मोहल्ले के लोग मौके पर इकट्ठा होकर आग बुझाने में जुट गए। वहीं घटना की सूचना मिलते ही इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए। सूचना देकर दमकल टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस व दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक घर में रखा 40 कैरेट आम, मुसम्मी, अनार, केला, सेव समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि घटना में करीब 60 से 70 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

नियमित करें योग रहें निरोग का संदेश जिले में गूंजा

संवाददाता—बलरामपुर। दसवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस शुक्रवार को जिलेभर में मनाया गया। जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में भी योग की धूम रही। स्थानीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में नोडल अधिकारी उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास अनिल कुमार सागर व जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित व भगवान धनवंतरि के चित्र पर माल्यार्पण कर योग दिवस का शुभारंभ किया। यहां पर भारी संख्या में लोगों को योगाभ्यास कराया गया। साथ ही उन्हें योग से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस लाइन, जिला अस्पताल, कारागार सहित नगर निकायों व ग्राम पंचायतों में भी योग शिविर का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स स्टेडियम में योग शिविर को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास अनिल कुमार सागर ने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को अपना रही है। जिसका असर भी देखने को मिल रहा है। आज घर—घर में योग करके लोग निरोग हो रहे हैं। जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने कहा कि योग जितना पौराणिक है उतना ही आधुनिक है। नियमित योग शरीर को निरोग रखने के साथ—साथ मस्तिष्क एवं इंद्रियों पर नियंत्रण रखने का साधन एवं माध्यम है। यहां पर योग प्रशिक्षक पुष्पेन्द्र एवं रेखा मिश्रा ने लोगों को योगाभ्यास कराया। प्रशिक्षकों ने योग के साथ—साथ बेहतर खानपान के बारे में भी जानकारी दी। जनसमूह को ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, भ्रामरी, प्राणायाम, अनुलोम विलोम व कपालभांति कराया गया। स्पोर्ट्स स्टेडियम में राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय की ओर से आयोजित शिविर में लोगों को निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ दिग्विजय नाथ ने लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आरएन सिंह ने किया। इस अवसर पर सीडीओ संजीव कुमार मौर्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में जिला कारागार में शिविर का आयोजन किया गया। जेल प्रांगण में कर्मियों एवं बंदियों को योग प्रशिक्षक डॉ अमरजीत ने योगाभ्यास कराया। उन्होंने लोगों को नियमित योग व आहार के फायदों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर जेल अधीक्षक राम कुबेर सिंह, जेलर एसके सोनकर सहित कई अन्य लोग मौजूद थे। सशस्त्र सीमा बल 50वीं वाहिनी में भी योग दिवस पर जवानों ने योग किया। इस मौके पर उप कमांडेंट मुकेश कुमार गुज्जर सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे। संयुक्त जिला चिकित्सालय में सीएमएस डॉ राज कुमार की देखरेख में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अस्पताल के चिकित्सकों का कर्मियों ने योग किया। इस अवसर पर अस्पताल के डॉ एके यादव, क्वालिटी प्रबंधक डॉ रुचि पाण्डेय, डॉ नितिन चौधरी, डॉ सौरभ सिंह, डॉ आरके पाण्डेय, फार्मासिस्ट आरके गुप्ता, सुरेन्द्र दुबे, जीपी त्रिपाठी व उमेश दीक्षित सहित कई अन्य लोग मौजूद थे। इसी क्रम में पुलिस लाइन बलरामपुर में योग प्रशिक्षक बीबी सिंह ने पुलिस कर्मियों को योग कराया। इस मौके पर एसपी केशव कुमार सहित तमाम पुलिस अधिकारी व कर्मी मौजूद थे। नगर के तुलसीपार्क में शुक्रवार को योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर के सम्मानित लोगों के साथ भाजपा जनप्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में बढ़—चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टूराम, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, नगर अध्यक्ष कृष्ण गोपाल गुप्ता ने तुलसीदास के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। योग प्रशिक्षक मंगल बाबू ने लोगों को योगाभ्यास कर उसके लाभ के भी विषय में जानकारी दी। सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि सभी लोग प्रतिदिन योगाभ्यास करें ताकि लोग स्वस्थ रहें। जब सभी लोग स्वस्थ होंगे तभी देश भी स्वस्थ रहेगा। जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह, अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने भी अपने—अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर जिलामंत्री अवधेश तिवारी तरुण, उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी, संजय शर्मा, शेरावाली शुक्ला, झूमा सिंह, नंदलाल तिवारी, विनोद गिरी, महेश शुक्ला बच्चा, राजीव विश्व मोहन द्विवेदी, अक्षय शुक्ला, गौरव मिश्रा, अंकित तिवारी, ओंकार तिवारी सहित तमाम लोगों ने योगाभ्यास किया।

महाराजगंज तराई क्षेत्र में ब्लॉक परिसर व ग्राम पंचायतों में योग प्रशिक्षक ने लोगों को योग कराया। साथ ही लोगों को प्रति दिन योग करने के लिए जानकारी भी दी। थाना में पुलिस कर्मियों ने भी थाना प्रभारी के साथ योग किया। तुलसीपुर चीनी मिल में आयोजित योग कार्यक्रम में विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने कहा कि योग से जीवन अनुशासित होता है। इसके माध्यम से हम स्वस्थ एवं सुखी जीवन व्यतीत कर सकते हैं। गन्ना प्रबंधक व वरिष्ठ चीनी मिल अधिकारी आशीष सिंह, एसडीएम तुलसीपुर आदि मौजूद रहे। ब्लॉक परिसर कौवापुर में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीर सिंह विक्की व बीडीओ राजीव मोहन त्रिपाठी ने कर्मचारियों एवं ग्राम प्रधानों के साथ योग किया। इसी तरह भाजपा कार्यालय उतरौला में विधायक राम प्रताप वर्मा ने क्षेत्रवासियों व कार्यकर्ताओं के साथ योग किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक उत्कर्ष, आत्मिक शांति और आरोग्य के प्रदाता योग पद्धति से पूरी मानवता को जोड़ना ही अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य है। रामलीला मैदान उतरौला में आयोजित योग दिवस पर एसडीएम उतरौला अवधेश कुमार ने कहा कि योगाभ्यास से कई जटिल बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सकता है।

हजरत नवाब अली शाह के सालाना उर्स में पहुंचे महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अयोध्या के अशर्फी भवन के पास मोहल्ला सुटहटी में स्थित हजरत नवाब अली शाह उर्फ नवाबू दादा का तीन दिवसीय सालाना उर्स गुरुवार को जवाबी कव्वाली के साथ सम्पन्न हो गया। उर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि अयोध्या नगर निगम के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथी के रूप में दशरथ गद्दी के महंत बृज मोहन दास ने शिरकत की। यहाँ पहुंचे मुख्यातिथि महापौर व महंत बृजमोहन दास का स्वागत उर्स कमेटी की तरफ से सरंक्षक समाजसेवी मोहम्मद इरफान अंसारी उर्फ नन्हे मियाँ व अख्तर अली मुखिया के अलावा पार्षद सुल्तान अंसारी व उर्स कमेटी के अध्यक्ष शेर अली खान उर्फ शेरू तथा युवा समाजसेवी इमरान अंसारी तथा अजमेर अली ने अंग वस्त्र भेंट कर व माला पहनाकर किया। गौरतलब है कि प्रतियेक वर्ष बकरीद के दूसरे दिन सुबह बाद नमाज फजर कुरआन ख्वानी से उर्स का आगाज होता है, उस के दूसरे दिन जश्ने ईद मिलादुन्नबी का आयोजन हुआ और गुरुवार को उर्स के अंतिम दिन जवाबी कव्वाली का आयोजन हुआ जिसमें जौनपुर से आई कव्वाला गुड़िया परवीन और दिल्ली से आए कव्वाल सुल्तान साबरी के बीच मुकाबला हुआ जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे। पार्षद सुल्तान अंसारी ने कहा कि ये उर्स हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल है। हजरत नवाब अली शाह की मजार पर हिन्दू मुस्लिम सभी अकीदत के साथ आते है और जो भी मुराद मांगते है पूरी होती है। इस तीन दिवसीय उर्स के मौके पर सभी धर्म के लोग शामिल होकर भाई चारा की मिसाल पेश करते हैं। इस मौके पर श्री निवास शास्त्री, पार्षद प्रतिनिधि लुल्लुर यादव, हजारी यादव, दुर्गेश पाण्डेय, रमाकांत पाण्डेय, मुख्तार खान, मोहम्मद कैफ, टिल्लू, मुल्लन, महफूज अंसारी, जुनेद खान, नवाब अली खान, महताब खान साहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

20 लीटर कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने कच्ची शराब बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। शुक्रवार को कोतवाली भिनगा के प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने लालपुर महरी गांव से पहले एक व्यक्ति के कब्जे से 20 लीटर कच्ची शराब बरामद किया। बरामद शराब को जब्त कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान बड़कऊ पुत्र व्यापारी निवासी लालपुर महरी कोतवाली भिनगा के रूप में हुई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम का मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ चौकी प्रभारी चहलवा अमित कुमार सिंह, आरक्षी हरिकेश यादव शामिल रहे।

नीट में धांधली के विरोध में सछास कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

संवाददाता—देवरिया। समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने संगठन के जिला अध्यक्ष मनोज यादव के नेतृत्व में शहर के सुभाष चौक पर नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया व नीट परीक्षा को रद्द करने की मांग की। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

सभा में सपा नेता विजय रावत ने कहा कि भाजपा सरकार नौजवानों को रोजगार नहीं देना चाहती है। इसलिए सभी परीक्षाओं का पेपर लीक हो रहा है। भाजपा सरकार को नीट की परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए। सछास जिलाध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नीट परीक्षा में हुई धांधली की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा सरकार छात्र और नौजवान विरोधी है। समाजवादी युवजनसभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। देश का छात्र, नौजवान भाजपा की युवा विरोधी मानसिकता को समझ गया है। भाजपा सरकार में सभी वर्ग के लोग परेशान है। किसान, मजदूर, व्यापारी, छात्र, युवा, महिलाएं, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों पर भाजपा सरकार में अत्याचार हो रहा है। इस दौरान सलोवा के जिलाध्यक्ष दिव्यांश श्रीवास्तव, यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष खुर्शीद आलम अंसारी, विकास, आजम अहमद, सूरज यादव, बलवंत पहलवान, मुराद अहमद, हरिकेश, पंकज, रोहित, सनोज, गुड्डू, कमलेश यादव, धीरज यादव, शुभम, अजीत, अनिल आदि रहे।

वार्षिक सत्यापन न होने से दिव्यांगों को नहीं मिल सकी पेंशन

संवाददाता—बलरामपुर। शासन भले ही गरीबों व असहायों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास कर रहा है लेकिन जिले में जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण पात्रों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष में होने वाले सत्यापन में जिम्मेदार लापरवाही बरत रहे हैं जिसका खामियाजा सभी दिव्यांग लाभार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। सत्यापन न होने के कारण जिले में दिव्यांग लाभार्थियों को अब तक पेंशन नहीं मिल सकी है। जिले में 9255 लाभार्थियों के सापेक्ष अब तक मात्र 3879 दिव्यांगों का ही वार्षिक सत्यापन हो सका है। वहीं 5376 लाभार्थियों का सत्यापन शेष है। परिणामस्वरूप जिले के दिव्यांगों को पेंशन योजना का लाभ इस वित्तीय वर्ष में नहीं मिल पाया है। प्रकरण पर सीडीओ ने नाराजगी जताई है। उन्होंने सभी बीडीओ को पत्र भेजकर जल्द ही दिव्यांग लाभार्थियों का वार्षिक सत्यापन कराने की बात कही है। दिव्यांगों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रदेश सरकार दिव्यांग पेंशन योजना संचालित कर रही है। इस योजना के तहत प्रत्येक दिव्यांग लाभार्थी को एक हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन दिया जाता है। योजना से दिव्यांग व्यक्तियों के सामने आने वाले आर्थिक बोझ को कम करने का प्रयास सरकार कर रही है ताकि ये लोग भी सम्मानजनक व स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम हो सकें। दिव्यांग पेंशन योजना का लाभ किसी अपात्र को न मिले एवं मृतक के खाते में पेंशन योजना की धनराशि न भेजी जाए इसके लिए प्रशासन प्रत्येक वर्ष लाभार्थियों का सत्यापन कराता है। वार्षिक सत्यापन होने के बाद ही पेंशन धारकों के खाते में योजना की धनराशि भेजी जाती है। जिले के अधिकारी सरकार के इस योजना को अधर में लटकाए हुए हैं। पात्र दिव्यांगों को पेंशन मिलना तो दूर अब तक उनका सत्यापन भी जिम्मेदार नहीं करा सके हैं। जिले के सभी नौ ब्लाकों में 9255 दिव्यांग लाभार्थी हैं जिनमें बलरामपुर ब्लाक 1920, गैंड़ास बुजुर्ग में 354, गैसड़ी में 612, हर्रैया सतघरवा में 1432, पचपेड़वा के 510, रेहरा बाजार के 1472, श्रीदत्तगंज 739, तुलसीपुर 950, उतरौला के 586 लाभार्थी दिव्यांग पेंशन योजना की सूची में शामिल है।

श्री सीतारामविवाहोत्सव सम्मिलित होकर मंत्रमुग्ध हुए संत महंत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी की सुप्रसिद्ध पीठ करूणानिधान भवन रामकोट में श्री सीतारामविवाहोत्सव धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव को पीठ के वर्तमान पीठाधिपति महंत रामजी दास महाराज ने सानिध्यता प्रदान किया। जो चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ की भूमिका में नजर आए। उनके निर्देशन में विवाह की सभी रस्में पूरी हुई।

सायंकाल मंदिर प्रांगण से गाजे—बाजे संग दिव्य राम बारात निकाली गई। जो रामकोट मोहल्ले का भ्रमण कर पुनरू अपने गंतव्य श्रीकरूणानिधान भवन को वापस लौटी। रास्ते में जगह—जगह पुष्प वर्षा कर राम बारात का स्वागत किया गया। सुंदर रथ पर विराजमान दूल्हा सरकार का दर्शन कर साधु—संत एवं भक्तजनों ने अपना जीवन धन्य बनाया। मंदिर में भगवान श्रीसीताराम के विवाहोत्सव से संबंधित सभी रस्में विधि—विधान पूर्वक संपन्न की गई। उत्सव का सिलसिला सायंकाल से प्रारंभ होकर देररात्रि तक चलता रहा। नामचीन कलाकारों ने अपने गायन—वादन से उत्सव में चार—चांद लगा दिया। कलाकारों ने महोत्सव की शमा बांध दी। इससे साधु—संत व भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए। इस मौके पर कलाकारों को नेग—न्यौछावर भी भेंट हुआ। सभी भक्तजन श्रीसीताराम विवाहोत्सव के उल्लास में डूबकर खुशी से झूमने को आतुर दिखे। पूरा माहौल भक्तिमय हो गया था, जिसमें रमकर भक्तगणों ने जीवन सार्थक बनाया। विवाहोत्सव पर पूरा मंदिर प्रांगण रंग—बिरंगी रोशनी से जगमगा रहा था। यह रंग—बिरंगी रोशनी उत्सव की शोभा बढ़ा रहे थे। इस अवसर पर श्री करूणानिधान भवन के व्यवस्थापक महंत रामनारायण दास महाराज ने बताया कि आश्रम में भगवान श्रीसीताराम का विवाहोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के आयोजक जयपुर राजस्थान का भक्त परिवार रहा, जिसने बड़े ही आस्था और श्रद्धा संग भगवान का विवाहोत्सव मनाया। साधु—संत तथा भक्तजन दूल्हा—दूल्हिन सरकार का दर्शन कर धन्य हुए।

कांग्रेसियों ने ज्ञापन देकर किया पेपर लीक का विरोध

संवाददाता—श्रावस्ती। श्रावस्ती कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष चन्द्र पाल सिंह यादव के नेतृत्व में शुक्रवार को कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से पेपर लीक का विरोध किया। चंद्रपाल ने कहा कि मोदी सरकार में हो रहे पेपर लीक से छात्रों का भविष्य अधर में है। ये छात्रों की कड़ी मेहनत और उनके माता—पिता की उम्मीदों पर वार है। कांग्रेस पार्टी छात्रों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

पेपर लीक होना गंभीर विषय —संजय निषाद

संवाददाता—बहराइच। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने पेपर लीक के सवाल पर कहा कि ये बहुत ही गंभीर विषय है इसकी जड़ें बहुत पहले से हैं ये भ्रष्टाचारी पहले की सरकारों में बच जाते थे इन्हे संरक्षण मिलता था, लेकिन हमारी सरकार प्रतिभाशाली बच्चों के साथ है, हमारी सरकार उन भ्रष्टाचारियों को पकड़ कर उन्हें पकड़कर सजा दे रही है। पिछली सरकार के समय की डाली गई भ्रष्टाचार की नीव अब धीरे—धीरे खत्म हो रही है। हमारी सरकार बच्चों के भविष्य के साथ खड़ी है। संजय निषाद ने कहा की मैं प्रभावी कानून चाहता हूं ताकि बच्चों का भविष्य बर्बाद न हो।

37 सीटें जीत कर सपा द्वारा खुशियां मनाए जाने पर करारा तंज कसते हुए संजय निषाद ने कहा कि पूर्वजों की कहावत है कि कभी—कभी बबूल के पेड़ के नीचे आम दिख जाता है तो ये नहीं कहा जा सकता कि बबूल के पेड़ में आम फलता है।

विपक्ष ने झूठ बोलकर और जनता को गुमराह करके जीत हासिल किया है, तो इसका मतलब ये नहीं है कि 2027 में सरकार बना लेंगे। हमारी विचारधारा अलग है हम जनता के साथ खड़े हैं। जनता के लिए काम करते हैं, इसलिए 27 में जीत हमारी ही होगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत केशवापुर वि0ख0-हर्रैया जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–06 2024 से 27–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 28–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगें। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(अनीता देवी) ग्राम प्रधान **(राम सुभाष चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत खौरी ओझा वि0ख0-हर्रैया जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–06 2024 से 28–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 29–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगें। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(श्रीमती सुनीता ओझा) ग्राम प्रधान **(राम सुभाष चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत लब्दहा वि0ख0-हर्रैया जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–06 2024 से 29–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 01–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगें। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(शिव कुमार यादव) ग्राम प्रधान **(राम सुभाष चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत त्रिलोकपुर वि0ख0-हर्रैया जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–06 2024 से 28–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 29–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 3.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगें। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(सूरज कुमार) ग्राम प्रधान **(राम सुभाष चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत हरिवंशपुर वि0ख0-हर्रैया जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–06 2024 से 01–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 02–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 3.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगें। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(अशोक कुमार वर्मा) ग्राम प्रधान **(राम सुभाष चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत रमया वि0ख0-हर्रैया जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–06 2024 से 29–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 01–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 3.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगें। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(मंजू देवी) ग्राम प्रधान **(राम सुभाष चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

लोकसभा चुनाव की समीक्षा बैठक में भड़के भाजपा कार्यकर्ता, जमकर चले लात-घूंसे

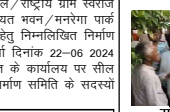

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भाजपा की समीक्षा बैठक में कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। यह बैठक लोकसभा चुनाव में कम मतदान की समीक्षा करने के लिए रखी गई थी, लेकिन इसके लिए जब कुछ लोग एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ने लगे तो मामला गरमा गया। दरअसल, सिद्धार्थनगर जिले के तहत आने वाली डुमरिया लोकसभा सीट पर बीजेपी के जगदंबिका पाल ने जीत हासिल की है। पार्टी जीत भले गई हो पर वोट प्रतिशत पहले से कम हुआ है। इसी की समीक्षा के लिए पार्टी नेताओं की बैठक चल रही थी। इसमें कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट हो गई। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजे बीजेपी के लिए अच्छे नहीं रहे। जिन लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी की हार हुई है। वहां इन दिनों समीक्षा बैठकें चल रही हैं। दरअसल, बैठक में मौजूद कुछ नेताओं की उपस्थिति पर कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताई। इस दौरान कहा गया कि यहां साइकिल चलाने वाले क्यों आ गए। इस पर दो पक्षों में पहले गरमागरमी फिर जमकर मारपीट होने लगी। किसी तरह वरिष्ठ नेताओं ने मामला शांत कराया। बीजेपी के काशी क्षेत्र के महामंत्री सुशील तिवारी और मथुरा के विधायक राजेश तिवारी कार्यकर्ताओं संग बैठक कर समीक्षा करने आए थे। इसी दौरान कुछ नेताओं ने कहा कि जो लोग लोकसभा चुनाव में साइकिल चला रहे थे। वे इस बैठक में क्यों करने आए हैं। इस मुद्दे पर कार्यकर्ताओं में बहस शुरू हो गई है। बात बढ़ते–बढ़ते बढ़ गई। कुछ लोग वहां बीजेपी जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। फिर दो पक्षों में हाथापाई होने लगी। काफी देर तक हंगामे का दौर चलता रहा।

पीएम मोदी के प्रयास से मनाया जा रहा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस –सुरेश खन्ना

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में चल रहे साप्ताहिक योग शिविर के समापन एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने संबोधन में कहा कि आज योग पूरे विश्व में किया जा रहा है, इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। प्रधानमंत्री के प्रयास से 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है। आज प्रधान मंत्री जम्मू कश्मीर सेना के बीच में योग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री तो स्वयं योगी है। उन्होंने कहा कि योग को जीवन में सबसे अधिक महत्त्व दें। अगर हम स्वस्थ हैं तो हम कुछ भी कर सकते है। अगर हम रोज 10 मिनट योग करें धीरे धीरे और टाइम बढ़ा कर एक घंटा तक योग करने लगेंगे। योग करने की हमारी आदत हो जाएगी। अनुलोम–विलोम, कपालभाती, भ्रामरी प्राणायाम ठीक से करना है, सांस को लेना और छोड़ना तथा उसको नियंत्रित करने के लिए सीखना बहुत जरुरी है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक रूप में भी योग हम लोगों के लिए बहुत जरुरी है, आध्यात्मिक समृद्धता तभी संभव है जब हम योग करेंगे। कहने का तात्पर्य है कि शरीर और मन दोनों की शुद्धता के लिए केवल एक ही मार्ग है वह है योग।

विशिष्ट अतिथि गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने कहा कि योग मानव जीवन के लिए सबसे अधिक जरुरी है क्योंकि आज के परिवेश में हम बिना योग के निरोग रह ही नहीं सकते है और अगर हम निरोग नहीं है तो हम. कुछ नहीं कर सकते हैं। इसलिए आज हम सबको संकल्प लेना है कि प्रतिदिन योग करना है, स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। योगाचार्य कमलेश मौर्या, रवि सिंह, महात्मा नवनीत, रणधीर कुमार सिंह और विनय कुमार चौधरी ने सूर्य नमस्कार, सिद्धासन, पद्मासन, वज्रासन, गोमुखासन, वीरासन, भुजंगासन, शवासन, मत्स्यासन, मत्स्येन्द्रासन, पश्चिमोत्तासन, मयूरासन, मंडूकासन, उत्तानपादासन, उत्तानपादासन, शलभासन, मकरासन, पवनमुक्तासन, सर्वांगासन, हलासन, ताड़ासन, नौकासन, शशकासन के साथ ही नाड़ीशोधन, कपालभाती, शीतली व भ्रामरी प्राणायाम इत्यादि का योगाभ्यास कराया। संचालन गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के आचार्यों, छात्रों सहित सैकड़ों योगाभ्यासी व प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राम बचन पुत्र श्री मुक्तिनाथ ग्राम– ककरहिया पोस्ट– बिशुनपुरवा थाना– सोनहा , जनपद बस्ती का मूल निवासी हूं। मेरे दो पुत्र विजय कुमार गिरी और सुशील कुमार गिरी है। दोनों का विवाह हो चुका है। बड़े पुत्र विजय कुमार गिरी और उनकी पत्नी द्वारा सास, ससुर की सेवा और देखभाल की जाती है। मेरा छोटा पुत्र सुशील कुमार गिरी आये दिन परिवार में कलह किया करता है। उसका व्यवहार ठीक नहीं है और असमाजिक व्यक्तियों, बदमाशों की संगत में बिगड़ गया है। इससे दुःखी होकर मैं उसे अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य व लेन देन आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

पेड़ की डाल गिरने से एक महिला की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही जंगल में गोरयाबीर बाबा मंदिर के समीप कुशीनगर से गोरखपुर जा रहे बाइक सवार के ऊपर अचानक जामुन के पेड़ की डाल टूटकर गिर गई। हादसे में बाइक पर बैठी महिला व पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें एम्स पुलिस द्वारा एम्स अस्पताल भेजा गया जहां महिला को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मंटू 37 वर्ष पुत्र हरिकिशन गुप्ता निवासी कोइन्दी बुजुर्ग थाना तरया सुजान कुशीनगर अपनी रिश्तेदार सुगंती देवी 45 वर्ष पत्नी बीरबल निवासी पचरुखिया घाट थाना पटहेरवा कुशीनगर के साथ बाइक से गोरखपुर जा रहा था। शुक्रवार की सुबह लगभग आठ बजे ज्योही एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही जंगल मे गोरयाबीर बाबा मंदिर के समीप पहुचा कि अचानक सड़क के किनारे जामुन के पेड़ से डाल टूटकर ऊपर गिर गयी ।जिसके कारण महिला सुगंती देवी व मंटू गंभीर रूप से घायल हो गये।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com